छत्तीसगढ़ मासिक करेंट अफेयर्स 2023

माह- जनवरी

PART-2

BHEEM
PSC ACADEMY

1. मुख्यमंत्री ने किया तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ

कब	--	14 जनवरी, 2023
किसके द्वारा	--	मुख्यमंत्री भूपेश बघेल
अवसर	--	मकर संक्रांति
स्थान	--	बलरामपुर
नोट	--	

- उल्लेखनीय है कि अंबिकापुर-रामानुजगंज नेशनल हाईवे पर ज़िला मुख्यालय बलरामपुर से 12 किलोमीटर दूर तातापानी स्थित है। यहाँ 8 से 10 प्राकृतिक जल के गर्म कुंड हैं। इसके अलावा यहाँ एक विशाल शिव जी की प्रतिमा है। इसे ज़िला प्रशासन द्वारा बनवाया गया है।
- स्थानीय भाषा में ताता का अर्थ गर्म होता है। इसलिये इस जगह का नाम तातापानी पड़ गया। यहाँ स्थित गर्म जलकुंड से निकलने वाला पानी इतना गर्म होता है कि चावल, अंडे और आलू तक उबाल सकते हैं।
- वैज्ञानिकों का मानना है कि इस क्षेत्र में सल्फर की मात्रा अधिक है। इसी वजह से यहाँ से निकलने वाला पानी गर्म होता है। ऐसी मान्यता है कि इन जल कुंडों में स्नान करने से अनेक चर्म रोग ठीक हो जाते हैं।
- तातापानी में मकर संक्रांति के अवसर पर पिछले 50 से अधिक वर्षों से हर वर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर मेले का आयोजन किया जाता रहा है।
- बलरामपुर ज़िले के अस्तित्व में आने के बाद प्रशासन ने तातापानी मेला को महोत्सव का स्वरूप दिया है। वर्षों पुराने तातापानी के मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए कई फीट ऊँची शिव जी की प्रतिमा स्थापित की गई है। इसी के ठीक नीचे 12 ज्योतिर्लिंगों का स्वरूप प्रदर्शित किया गया है।

2. मुख्यमंत्री ने बलरामपुर में राज्य के पहले शहीद पार्क का किया लोकार्पण

कब -- 15 जनवरी, 2023

किसके द्वारा -- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल (राज्य के पहले शहीद पार्क का लोकार्पण)

स्थान -- बलरामपुर

लागत -- लगभग चालीस लाख रूपए

नोडल एजेंसी -- नगर पालिका (निर्माण के लिये)

स्थापित प्रतिमाएँ --

- शहीद प्रधान आरक्षक लाजरुस मिंज
- शहीद आरक्षक महेश राम पैंकरा
- शहीद आरक्षक अनिल खलको
- शहीद उप निरीक्षक नबोर कुजूर
- शहीद प्रधान आरक्षक मनाजरूल हक
- शहीद उप निरीक्षक मसीह भूषण लकड़ा
- शहीद प्रधान आरक्षक रामसाय राम

नोट -- इनकी प्रतिमाओं के नीचे अमर शहीदों का बायोडाटा भी उकेरा गया है, ताकि हर कोई इनके अतुल्य योगदान के बारे में जान सके।

3. मख्यमंत्री ने की गौरव गौर-लाटा को पर्यटन स्थल बनाने की घोषणा

कब	--	16 जनवरी, 2023
किसके द्वारा	--	मुख्यमंत्री भूपेश बघेल
स्थान	--	बलरामपुर
नोट	--	

(सबसे ऊँची चोटी गौर-लाटा को पर्यटन स्थल के रूप मे विकसित करने की घोषणा)

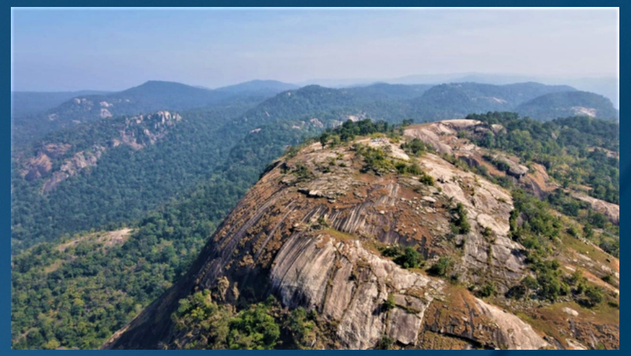

- छत्तीसगढ़ की सबसे ऊँची चोटी गौर-लाटा की पहाड़ी फिलहाल स्थानीय पर्वतारोहियों के लिये ट्रैकिंग के लिये भी प्रसिद्ध है। ।
- मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अब गौर-लाटा बलरामपुर के गौरव के रूप में विकसित हो सकेगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोज़गार के नए अवसर मिलने के साथ ही पर्यटकों को भी प्रकृति का प्यार मिल सकेगा।

4. पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिये रंजना गाँव का नामकरण ‘राजीव गांधी रंजना’ करने की घोषणा

कब -- 17 जनवरी, 2023

किसके द्वारा -- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

स्थान -- कोरबा (कटघोरा विधानसभा)

इतिहास -- ज्ञातव्य है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी 13 जुलाई, 1985 में ग्राम रंजना आए थे। उनकी स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिये मुख्यमंत्री ने गांव का नामकरण उनके नाम पर करने की घोषणा की है।

अन्य घोषणाएं --

- इसके अलावा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ग्राम रंजना में ज़िला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा प्रारंभ करने, नगर पालिका दीपका एवं बांकी मोंगरा में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल प्रारंभ करने, भिलाई बाज़ार में उप-तहसील प्रारंभ करने, कटघोरा में फॉर्मेसी महाविद्यालय की घोषणा की।
- शासकीय महाविद्यालय दीपका का नामकरण शहीद मूलचंद कंवर के नाम पर करने, ग्राम तिवरता में दादा हीरा सिंह मरकाम की प्रतिमा स्थापना की भी घोषणा की।

कोड-ए-थान ओलंपियाड

कब	--	19 जनवरी, 2023
किसके द्वारा	--	मुख्यमंत्री भूपेश बघेल
उद्देश्य	--	राज्य के सरकारी स्कूलों के छात्रों को कोडिंग के प्रति उत्साहित करने के लिये
आयोजनकर्ता	--	छत्तीसगढ़ शासन & हिन्दुस्तान टाइम्स
थीम	--	गेटिंग फ्यूचर रेडी
मंत्र	--	सीखने (लर्न), शामिल होने (पार्टिसिपेट) और जीतने (विन)
रजिस्ट्रेशन	--	htcodeathon.com
नोट	--	इस ओलंपियाड के जरिए प्रदेश के सरकारी स्कूलों के लगभग 5000 छात्रों को कोडिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

6. कृषि मंत्री ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में किया ‘मिलेट कैफे’का लोकार्पण

कब	--	20 जनवरी, 2023
किसके द्वारा	--	कृषि मंत्री रविंद्र चौबे
स्थान	--	इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर (रायपुर)
उद्देश्य	--	उन्होंने बताया कि ‘मिलेट कैफे’आम जनता में लघु धान्य फसलों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा उनके उपयोग को बढ़ावा देने के लिये प्रारंभ किया गया है।
नोट	--	• यह देश में किसी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित किया जाने वाला प्रथम मिलेट कैफे होगा। • इस ‘मिलेट कैफे’का संचालन कृषि विज्ञान केंद्र रायपुर द्वारा किया जाएगा और यहाँ विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित लघु धान्य व्यंजनों का विक्रय किया जाएगा। • कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने बताया कि इस ‘मिलेट कैफे’में कोदो, कुटकी, रागी तथा अन्य लघु धान्य फसलों से निर्मित विविध व्यंजन- इडली, दोसा, डोहा, उपमा, भजिया, खीर, हलवा, माल्ट, कुकीज के साथ ही इनसे निर्मित छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन ठेठरी, खुरमी, अरसा, चाकोली, सेवई, पिढ़िया आदि आम जनता के लिये उपलब्ध रहेंगे। इसके अलावा लघु धान्य फसलों से निर्मित अन्य उत्पाद भी विक्रय के लिये उपलब्ध रहेंगे। • उल्लेखनीय है कि लघु धान्य फसलों की पोषकता तथा स्वास्थ्यप्रद मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा इसके उपयोग को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 2023 को ‘मिलेट वर्ष’घोषित किया गया है।

7. छत्तीसगढ़ की तीन विभूतियाँ पद्म श्री सम्मान के लिये चयनित

कब	--	25 जनवरी, 2023
प्रदानकर्ता	--	राष्ट्रपति
अवसर	--	गणतंत्र दिवस
ग्रहणकर्ता	--	सुश्री उषा बारले, डोमार सिंह कुँवर और अजय कुमार मंडावी
नोट	--	• दुर्ग ज़िले की सुश्री उषा बारले को पंडवानी गायन के क्षेत्र में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इन्होंने प्रख्यात पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजनबाई से पंडवानी का प्रशिक्षण लिया है। बारले न केवल भारत बल्कि लंदन और न्यूयार्क जैसे शहरों में भी पंडवानी की प्रस्तुति दे चुकी हैं। • बालोद ज़िले के ग्राम लाटा बोड़ के निवासी नृत्य कला के साधक एवं मशहूर कलाकार डोमार सिंह कुँवर को छत्तीसगढ़ की विलुप्त होती नाचा कला को देश से लेकर विदेशों तक ख्याति दिलाने के लिये पद्म श्री हेतु चयन किया गया है। इन्होंने इस कला का 5 हज़ार से भी ज्यादा बार मंचन किया है। • कांकेर ज़िले के ग्राम गोविंदपुर के रहने वाले अजय कुमार मंडावी ने काष्ठ शिल्प कला में गोंड ट्राईबल कला का समागम किया है। उन्होंने नक्सली क्षेत्र के प्रभावित और भटके हुए लोगों को काष्ठ शिल्प कला से जोड़ते हुए क्षेत्र के 350 से ज्यादा लोगों के जीवन में बदलाव लाने के साथ-साथ लकड़ी की अद्भुत कला से युवाओं को जोड़ा है। युवाओं के हाथ से बंदूक छुड़ाकर छेनी उठाने के लिये प्रेरित करने जैसे कार्यों के लिये मंडावी को पद्म श्री सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।